



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४७] मई विल्सो, शनिवार, नवम्बर १९, १९७७ (कार्तिक २८, १८९९)

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 19, 1977 (KARTIKA 28, 1899)

इस भाग में चिन्ह पट्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### विषय-सूची

भाग I—खंड १—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)  
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .

भाग I—खंड २—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)  
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों प्रादि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .

भाग I—खंड ३—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, ग्रादेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .

भाग I—खंड ४—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .

भाग II—खंड १—प्रधिनियम, ग्रादेश और विनियम .

भाग II—खंड २—विधेयक और विधेयकों मध्ये विवर समितियों की रिपोर्ट .

भाग II—खंड ३—उपखंड (i) — (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और

| पृष्ठ | भाग I किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के ग्रादेश, उप-नियम ग्रादि सम्मिलित हैं) . . .   | पृष्ठ |
|-------|---|-------|
| 613   | भाग II—खंड ३—उपखंड (ii) — (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए ग्रादेश और अधिसूचनाएं . . . | 3221  |
| 1577  | भाग II—खंड ४—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिकृत विधिक नियम और ग्रादेश .   | 3957  |
| —     | भाग III—खंड १—महानेतापरीक्षक, संघ सोक-सेवा ग्रायोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कायानियों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .  | 5187  |
| 1251  | भाग III—खंड २—एकस्व कार्यालय, कनकता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस .   | 943   |
| —     | भाग III—खंड ३—मुख्य ग्रायुक्तों द्वारा वा उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं .   | 161   |
| —     | भाग III—खंड ४—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, ग्रादेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . .  | 2165  |
|       | भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस .   | 185   |

## CONTENTS

| PAGE  |      | PAGE  |      |
|---|------|---|------|
| PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. . . . |      | (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. .  | 3221 |
| PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. . .  | 613  | PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. | 3957 |
| PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. . .   | 1577 | PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..  | 539  |
| PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. . .   | 1251 | PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..  | 5187 |
| PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations.  | —    | PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..  | 943  |
| PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. . .   | —    | PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. . .  | 161  |
| PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India .. . .  |      | PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. . .   | 2165 |
|   |      | PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..   | 185  |

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम विधालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विविधत तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)  
नई फ़िल्मी-110001, विनांक 19 नवम्बर 1977

## नियम

स० 12/5/77-के० स० (11)—सध लोक सेवा आयोग द्वारा 1978 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों की आशुलिपिक सेवाओं में नियुक्ति के लिये आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाने हैं—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख)-आशुलिपिक उप-सर्वर्ग का ग्रेड-II.
- (ii) रेज बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-'ग' (इस ग्रेड की व्यवस्था में मर्मान्वित करने के लिए)
- (iii) केन्द्रीय मञ्चियालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड 'ग' (ये ग्रेड की व्यवस्था में मर्मान्वित करने के लिए)
- (iv) मर्शल सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड 'ग'
- (v) भारत सरकार के कुछ अन्य विभागों/संगठनों तथा मबद्द कायों-संघों में आशुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा 'ख' रेज बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय मञ्चियालय आशुलिपिक सेवा/मर्शल सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

1 उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक या एक में अधिक से सम्बन्धित परीक्षा में प्रवेश के लिये कोई भी उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। वह इनमें से जिससी सेवाओं/पदों के लिए विचार किये जाने का इच्छुक है, उनका उल्लेख अपने आवेदन-पत्र में बताया सकता है।

नोट 1 — उम्मीदवारों को चाहिए कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिये विचार किए जाने के इच्छुक हों, उनका वर्गीयता क्रम स्पष्ट रूप में लिख दें। उम्मीदवार आमतः में अपने आवेदन-पत्र में निर्विष्ट सेवाओं/पदों के वर्गीयता क्रम में परिवर्तन करने के किसी भी ऐसे अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा जो सध लोक सेवा आयोग के कार्यालय में आयोग द्वारा आवेदन-पत्र प्राप्त करने की निर्धारित अनिम तारीख को या उसमें पहले न पाप्त हो जाए।

नोट 2 —इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कायालियों को केवल अप्रेजी आशुलिपिकों की ही आवश्यकता होगी और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अप्रेजी के आशुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुमानित किया जाता है (दृष्टव्य नियमावली के परिशिष्ट 1 का विंग 3)।

2 (1) परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिकियों की सूच्या आयोग [द्वारा जारी किए गए सोटिल में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये पद सरकार द्वारा निश्चित रिकियों को बेखत हुए आरक्षित रखे जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/जनजातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आवेदों में उल्लिखित जातियों/जनजातियों से मे किसी एक से है —

सविधान (अनुसूचित जाति) आवेदन 1950, सविधान (अनुसूचित जन जाति) आवेदन 1950, सविधान (अनुसूचित जाति) (मध्य राज्य क्षेत्र) आवेदन 1951, सविधान (अनुसूचित जन जाति) (मध्य राज्य क्षेत्र) आवेदन 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति सूचिया (मर्मान्वित) आवेदन, 1956, बवाई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यवासोधिन), सविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आवेदन, 1956, गविधान (अडमान और तिकोबार हीप ममूह) अनुसूचित जन जाति आवेदन, 1959, सविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आवेदन, 1962, सविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति आवेदन, 1962, सविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आवेदन, 1964, सविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आवेदन, 1967, सविधान (गोप्रा, दमन और दीव) अनुसूचित जनजाति आवेदन, 1968 तथा सविधान (नागार्लैड) अनुसूचित जन जातिया आवेदन, 1970।

3 सध लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग में ही जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4 (1) उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) पेसा निवासी ग्रणार्वी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इनदें से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत में प्राया हो, या
- (इ) कोई भारत संल का अवक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इनदें से पाकिस्तान, अर्मा, श्रीलंका, श्रीर कीनिया, उगांडा तथा तजानिया संयुक्त गणराज्य पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जार्बिया, मलावी, जेरे, इथियोपिया श्रीर कियनताम से प्राया हो।

परम्परा (ख), (ग), (घ) और (इ) वर्ग के अन्तर्गत आजे वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पाक्रना (एकीजीविस्टी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परन्तु यह और कि उपर्युक्त (द), (ग) और (घ) के बगौं के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (छ)–(आशुलिपिक उप-सर्वग का ग्रेड-II) में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होते।

(2) परीक्षा में ऐसे उम्मीदवारों को भी जिसके लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

5 जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जन जाति या अनुसूचित जन जाति का नहीं या कोई उगाड़ा और तजानिया के संयुक्त गणराज्य का प्रवासक न हो या जांविया, मलाई, जेरे और इथियोपिया में प्रत्यावर्तित भारत मूल का व्यक्ति न हो उसे प्रतिवर्णिता में थों से अधिक बार बैठने नहीं दिया जाएगा। यह प्रतिबन्ध वर्ष 1962 की परीक्षा के समय से लागू है।

नोट 1 —इस नियम के प्रयोजन के लिये परीक्षा में अभिप्राय है आशुलिपिक परीक्षा, आशुलिपिक (आपालकाटीन कफीशन/अल्प-काटीन कफीशन प्राप्त निर्मक अधिकारी नथा भतपूर्व मैनिक/परीक्षा तथा आशुलिपिक भतपूर्व मैनिक) परीक्षा।

नोट 2 —यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के प्रतिवर्णिता में बैठे तो इस नियम के प्रयोजन के लिए उस उम्मीदवार को परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सभी सेवाओं/पदों के लिए एक बार प्रतिवर्णिता परीक्षा में बैठा माना जाएगा।

नोट 3 —किसी उम्मीदवार को प्रतिवर्णिता परीक्षा में बैठा तब माना जाएगा, जब वह वास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

6 (क) इस परीक्षा में प्रतेष के लिये यह आवश्यक है कि उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1978 को पूरे 18 वर्ष की हो गई हो किन्तु उसकी आयु 25 वर्ष तक हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1953 से पहले और 1 जनवरी, 1960 के बाबत न हुआ हो।

(ल) उन व्यक्तियों के सबैधि में ऊपरी आयु सीमा में 35 वर्ष की आयु तक छृट दी जा सकती है जो, सद्गत राज्य छंत्रों के प्रशासनों व्यवस्था निवाचित आयोग तथा केन्द्रीय सन्दर्भों आयोग और लाक ममा/गज्ज सभा मचिवालय के अधीन व्यक्तियों, भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिक (जिनमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल हैं)/लिपिक/आशुटकों के पदों पर तिरिपति स्वर्ग में नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1978 को जिस्तोंने आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक मंडल)/लिपिक/आशुटकों के स्वर्ग में कम से कम तीन वर्ष तिरितर सेवा की है तथा उक्त पदों पर अभी तक काम कर रहे हैं।

परन्तु उपर्युक्त आयु सबैधि सदृढ़ तथा व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो सध लोक सेवा आयोग द्वारा पहले लो गई परीक्षाओं के आद्यार पर निम्नलिखित में से किसी में आशुलिपिकों के स्वर्ग में नियुक्त किए जा सकते हैं।

- (i) केन्द्रीय मचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, या
- (ii) रेल बांड मचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, या
- (iii) भारतीय विदेश सेवा (छ) आशुलिपिक उप-सर्वग का ग्रेड II, या

- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग

नोट 1.— शाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालय में नियुक्त रेल डाक छटाईकारों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 6 (छ) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में को गई सेवा मानी जाएगी।

नोट 2 — रक्षा प्रतिष्ठानों में नियुक्त सेवा लिपिकों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 6 (छ) के प्रयोजन के लिये नहीं गिनी जाएगी।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और हील दी जा सकती है —

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(ii) यदि उम्मीदवार भूपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बगला देश) का नदमायिक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक छाठ वर्ष तक।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत से प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कोनिया, उगाड़ा या तजानिया संयुक्त गणराज्य में प्रवासन लिया हो या जांविया, मलाई, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(vii) यदि उम्मीदवार वर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक छाठ वर्ष तक।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी ग्रामान्तर स्थान के दौरान विकलाग होने के फलस्वरूप सेवा से मूलक किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक छाठ वर्ष तक।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी ग्रामान्तर स्थान के दौरान विकलाग होने के फलस्वरूप सेवा में नियुक्त किए गए ऐसे रक्षा

कामिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिवासी के हों तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए समर्थन के दौरान कौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम-स्वरूप सेवा में निर्मूल किए गए ग्रीमा-सुरक्षा वन के रक्षा कामिकों के लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(xii) वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच समर्थन के दौरान कौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम-स्वरूप सेवा में निर्मूल सीमा सुरक्षा वन के उन रक्षा कामिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति अधिवास अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार-पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास विश्वनाम में भारतीय गजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात-काल का प्रमाण-पत्र है, और जो विश्वनाम से जुड़ाई, 1975 से पहले भारत नहीं प्राप्त है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष।

उपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दे — जिस उम्मीदवार को नियम 6 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो उसकी उम्मीदवारी रक्षा कर दी जायेगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्यागपत्र दे देता है या विकलांग द्वारा उसकी सेवाएं गमाल कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन-पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छठनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) ऐसा आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक महिला)/लिपिक आशुलिपक जो भक्षण प्राधिकारी के अनुमोदन से सर्वांग आशुलिपक पर प्रति नियुक्ति पर है अथवा जिसे किसी अन्य पद पर स्थानान्तरित कर दिया गया है परन्तु उसका धारणाधिकार उस पद पर है जिससे वह स्थानान्तरित किया गया था, यदि वह अन्यथा पात्र है तो इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

7 उम्मीदवारों ने भारत के केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा प्रवेश पास की हो, अथवा उसके पास किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड के द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के प्रति में स्कूल लिखित, माध्यमिक स्कूल परीक्षा या कोई और प्रमाण-पत्र हो जो राज्य सरकार की नीकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के समकक्ष हो।

नोट 1 — कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिये शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी शैक्षिक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

नोट 2 — विशेष परिस्थितियों में सघ सोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्यूप अहंकारा में से कोई अहंता नहीं, अशर्तें कि उम्मीदवार ने किसी सम्बन्ध द्वारा ली गई कोई ऐसी

परीक्षा पास कर दी हो जिसका स्वरूप आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके प्राधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

8 जो उम्मीदवार मरकारी नीकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों वे किसी काम के मियं विशिष्ट रूप से नियुक्त भी नहीं हों या आकस्मिक या हैनिक वर पर यह नियुक्त न हुए हों, उन सबको अपने कार्यालय/विभाग के प्रब्लेम की ओर से आयोग के नोटिस के उपायधि के पैरा-2 में दिए गए अनुबोधों के अनुसार आनापति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या प्रणाली के बारे में आयोग का निर्णय अतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (मार्टिफिकेट प्राप्त एश्चीशन) न हो।

11. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 7 में निर्धारित फोस देनी होगी।

12. जिस उम्मीदवार ने

(i) किसी भी प्रकार में अपनी उम्मीदवारी के लिये ममर्थत प्राप्त किया है, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति से दूसरे रूप में कार्य माध्यन कराया है अथवा

(iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाढ़ा गया हो, अथवा

(v) गत या सुधे वृक्षनव्य दिए हैं या किसी महसूसपूर्ण स्थय को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये किसी अन्य अनियमित प्रथवा अनुसूचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा के समय अनुसूचित माध्यनों का प्रयोग किया हो, या

(viii) उत्तर युस्तकाप्रो पर अभ्यगत बासे लिखी हों जो अस्तील भाषा में या अथवा भाषाय की हो, या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटहार किया हो, या

(x) परीक्षा भलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो।

(xi) उपर्युक्त छण्डों में उल्लिखित नभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग का अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो, जो उस पर आपराधिक अभियोग (किमिनल प्रोत्सीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके माथ ही उसे —

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अद्योग ठहराया जा सकता है, अथवा

(ल) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा यीं जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा अवधि चलने के लिए।

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले में ही सेवा में हो तो उसके विकल्प उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अनिम स्पष्ट से लिए गए कुल प्राताकों के आधिकार पर उसके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाए गए और उस क्रम के अनुसार आयोग उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों को अहन्ता प्राप्त प्रमाणेश्वर, उनके नाम अपेक्षित संख्या तक केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा श्रीर रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग की अपन सूची में सम्मिलित करने के लिए और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अन्य सेवाओं से पदों में अनारक्षित रिक्तियों में लिए अपेक्षित संख्या तक के नामों की जाएगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों प्रथमा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हो, तो आरक्षित कोटा में किसी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा रेल में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यताक्रम में उनका कोई भी स्थान हो, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा तथा रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग की अपन सूची में सम्मिलित करने के लिए अनुप्रस्थित किए जा सकें बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर लियुक्त के लिए उपयुक्त हों।

14. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर लियुक्त करने समय उम्मीदवार द्वारा प्रावेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयताक्रम पर उचित ध्यान दिया जाएगा। (दृष्टव्य आवेदन-पत्र का कालम 19)।

15. उम्मीदवारों को परीक्षा परिणाम की सूचना किये रूप में और विस प्रकार दी जाए, इसका लियोग स्वयं करेगा और लियोग परीक्षा परिणाम के बारे में उनसे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पास होने वाले से लियुक्त का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जाप के बाद सुनिश्चित न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्व वृत्त की दृष्टि से इस सेवा में लियुक्त के लिए हर प्रकार से योग्य है।

#### 17. जिस अवधि ने

- (क) ऐसे व्यक्तिसे विवाह या विवाह अनुमति किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है।

तो वह सेवा में लियुक्त के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सुनिश्चित हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के द्वारा पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

18. उम्मीदवार को मानविक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए, जो सम्बंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता-पूर्वक नियन्त्रण में बाधित हो। यदि गक्षम अधिकारी द्वारा विद्वित डाकटरी परीक्षा के बारे को यह शान्त हुआ। कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर गक्षता है तो उसका लियुक्त नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाकटरी परीक्षा की जाएगी जिनकी लियुक्त के सबूत में विवार किए जाने को मन्माना हो।

नोट भूतपूर्व रक्षा सेवा के विकलाग कामिकों के सबूत में रक्षा सेवा के डिमोक्राइजेशन मेडिकल बोर्ड द्वारा किया गया स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र लियुक्त के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

19. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसके संश्लिष्ट विवरण परिशिष्ट II में दिए गए हैं।

के० एल० रामापन्द्रन  
उप-सचिव

#### परिशिष्ट I

1. परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय के लिए दिया गया समय तथा पूर्णीक इस प्रकार होगे —

भाग के लिखित परीक्षा

| विषय                | दिया गया समय | पूर्णीक |
|---------------------|--------------|---------|
| (i) सामान्य आप्रेजी | 2 घण्टे      | 50      |
| (ii) निबन्ध         | 2 घण्टे      | 50      |
| (iii) सामान्य ज्ञान | 2 घण्टे      | 100     |

भाग II—हिन्दी या अप्रेजी में आशुलिपिक परीक्षा (परीक्षित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाली के लिए)

300 अक्ष

नोट—उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नाट टक्कण मणीन पर लिप्यात्मक करने होंगे, और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी टक्कण मणीन लानी होगी।

2. सामान्य आप्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों में वस्तुप्रक्ष प्रकार के प्रश्न होंगे, प्रश्नों के नमूने संश्लिष्ट विवरण के लिए परिशिष्ट-III पर उम्मीदवारों के लिए सुधना पुस्तिका देखिए।

3. लिखित परीक्षा के लिए पाद्य विवरण तथा आशुलिपि परीक्षाओं की याजना इस परिशिष्ट की सम्बन्ध अनुसूची के अनुसार होगी।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र (II) 'निबन्ध और प्रस्तुत पत्र (III) सामान्य ज्ञान का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) या अप्रेजी में देने की छूट है। यह छूट पूर्ण प्रश्न पत्रों के लिए यारू होगी त कि उसके किसी भाग के लिए और यह छूट उपर्युक्त वोनों प्रश्न पत्रों के लिए समान है।

जिन उम्मीदवारों ने निबन्ध के प्रश्न-पत्र का उत्तर देने के लिए हिन्दी (देवनागरी) का विकल्प दिया है, यदि वे चाहे, तो कोष्ठकों में तकनीकी शब्दों को हिन्दी में लिखने के साथ उनका अप्रेजी रूपान्तर कोष्ठकों में लिख दें।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न-पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प दें तो उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल हिन्दी (देवनागरी) में ही देसी होगी और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न-पत्र के उत्तर अप्रेजी में लिखने का विकल्प दें तो उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल अप्रेजी में ही होगी।

निबन्ध और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र हिन्दी और अप्रेजी दोनों में लिया जाएगे।

नोट 1. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निबन्ध के प्रश्न (ii) तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (iii) का उत्तर तथा आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने के इच्छुक हो, तो यह विकल्प आवेदन पत्र के कालम 12 से लिये अन्यथा यह माना जायेगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा को अप्रेजी में देंगे।

पाक वार दिया गया विकल्प अन्तिम समझा जाएगा और उक्त कालम से कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

**नोट 2** जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अप्रेज़ी आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अप्रेज़ी आशुलिपि और जो आशुलिपि परीक्षा अप्रेज़ी में देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि नियुक्ति के बाद सीखनी होगी।

**नोट 3.** जो उम्मीदवार उपर्युक्त निम्न चौथा 4 के अनुगार विदेशों में स्थित मिशनों में परीक्षा देना चाहते हैं और निबन्ध के प्रश्नपत्र (11) का उत्तर निया आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देना शाहने है, उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि परीक्षाएँ विवेण में किसी भारतीय मिशन में, जहाँ ऐसी परीक्षाएँ लेने के लिए आवश्यक प्रबध हो, परीक्षा देनी होगी।

5. विवित परीक्षा का प्रश्न-पत्र (1) गामान्य अप्रेज़ी के बाद अप्रेज़ी में ही तैयार किया जाएगा और मधी उम्मीदवारों द्वारा अप्रेज़ी में ही उत्तर दिए जाएंगे।

6. जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाले श्रूतलेख में न्यूनतम अर्हता प्राप्त कर लेंगे उन्हें 100 शब्द प्रति मिनट वाले श्रूतलेख में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के क्रम में ऊचा रखा जाएगा। प्रत्येक ग्रूप में उम्मीदवारों को प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अकों के अनुसार पारस्परिक प्रवक्ता अनुसूचि में रखा जाएगा [वृष्टव्य निम्नलिखित] अनुसूची का भाग ख)।

7. उम्मीदवारों को मधी उत्तर अपने द्वाय से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्तिकी महायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

8. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या मधी विषयों के अंतर्क अक निर्धारित कर सकता है।

9. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो आयोग की विषयाका के अनुसार न्यूनतम ग्राहक प्राप्त कर लेंगे।

10. केवल मतही जात के लिए अक नहीं दिए जाएंगे।

11. अस्पष्ट लिखाक्रम के कारण, विवित विषयों के पूर्णकों में से 5 प्रतिशत अक काट लिए जाएंगे।

12. निबन्ध के प्रश्न-पत्र की परीक्षा में कम से कम छछो में अमरकृष्ण प्रधावपूर्ण हग में और ठीक-ठीक की गई भाषाभिश्यक को विशेष महत्व दिया जाएगा।

### अनुसूची

### भाग क

#### विवित परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

**नोट—** भाग के प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विषयविद्यालय की में दिक्कुलेशन परीक्षा का होता है।

**मामान्य—** यह प्रश्न-पत्र इस हग से तैयार किया जाएगा कि इससे उम्मीदवार के अप्रेज़ी व्याकरण और निबध चन्ना के जात की तथा अप्रेज़ी भाषा को समझने प्रौढ़ अप्रेज़ी लिखने की उनकी योग्यता की जाओ जाए। इस प्रश्न-पत्र में शब्दों के शोद प्रयोग, आसान मुहावरों प्रौढ़ अश्यय (प्रोपोजीशन) चायरेक्ट और इनडायरेक्ट स्पीज़ आदि शामिल किए जा सकते हैं।

**निबध—** उम्मीदवारों को दो प्रकरणों पर निबध लिखना होगा। विषय चुनने की दृष्टि से जाएगी। उनसे यह आशा की जाएगी कि वे अपने विषय व्यवस्थित मध्य से निबध के विषय के सबध में ही मशिन रूप में लिखेंगे। प्रधाव पूर्ण हग से तथा ठीक-ठीक भाव अकत करने वालों को शेय दिया जाएगा।

**मामान्य—** निम्नलिखित विषयों की धोड़ी अद्वृत जानकारी —

**भाग** भारत का सविधान, पञ्चवर्षीय योजनाएँ, भारतीय इतिहास और सम्बूद्धि, भारत का गामान्य और प्रार्थिक भूगोल, अन्यमान बटनांकम मामान्य विज्ञान और दिन प्रतिदिन नजर आने वाली ऐसी वार्ता जिनकी जानकारी पढ़े लिखें व्यक्ति को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह में समझा है। उनके उत्तरों में किसी पाठ्यपुस्तक के व्योरेवार जान की परीक्षा देनी होगी।

**भाग ख—** आशुलिपि परीक्षाओं की योजना अप्रेज़ी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रूतलेख परीक्षाएँ होगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से मात्र मिनट के लिए और इगरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति में दस मिनट के लिए और उम्मीदवारों को क्रमण 45 तथा 50 मिनटों में लिखात्तर करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रूतलेख परीक्षाएँ होगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से मात्र मिनट के लिए और इगरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति में दस मिनट के लिए और उम्मीदवारों को क्रमण 45 तथा 50 मिनटों में लिखात्तर करने होंगे।

### परिणाम II

उन सेवाओं/पदों में सबनिधन मस्किल विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा मधी की जा रही है।

**क—केन्द्रीय मन्त्रिवालय आशुलिपिक सेवा**

केन्द्रीय मन्त्रिवालय आशुलिपिक सेवा में इस मध्य निम्नलिखित घार प्रेष है —

**ग्रेड-क** रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० ।

**ग्रेड-ख** रु० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-द० रो०-४०-१०४० ।

**ग्रेड-ग** रु० ४२५-१५-५१०-द० रो०-१५-५६०-२०-७०० द० रो०-२५-८०० ।

**ग्रेड-घ** रु० ३३०-१०-३४०-द० रो०-१२-५००-द० रो०-१५-५६० ।

ग्रेड-क में परीक्षात हुए व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में न्यूनतम रु० ७७५/- पर निर्धारित कर दिया गया है। ग्रेड ख में पदोंप्रति होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान से रु० ७१०/- पर निर्धारित किया जायेगा।

(2) उत्तर सेवा के ग्रेड ग में नियुक्त दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस प्रवर्षिक के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़े सकते हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं।

(3) परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर भरकार सम्बिधित व्यक्तियों को उसके पद पर स्थायी कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा आचरण सरकार की राय में असत्योषजनक रहा हो तो उसे सेवा में निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा प्रवधि जिनसी और बहाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा के ग्रेड ग में भी किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय मन्त्रिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग में वार्ष मन्त्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किन्तु उसकी किसी भी मध्य किसी भी ऐसे अन्य मन्त्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा के ग्रेड ग में भी किए व्यक्ति इस मध्य में मध्य समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति किए जाने के पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के प्रेड ग में उनके विकल्प के अनुसार भी जाएगी, ये उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ब) के सर्वर्ण में प्रथम रेल बोर्ड सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानांतरण या नियुक्ति का दावा न कर सकेंगे।

ब—रेल बोर्ड आशुलिपिक सेवा।

(क) (i) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्न-लिखित चार प्रेड हैं—

प्रेड-क रु 650(775)-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

प्रेड-ख रु 650-30-740-35-780-द० रो०-40-1040।

प्रेड-ग रु 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो० 25-800।

प्रेड-घ रु 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

प्रेड ग में प्रेड घ में पदोन्नति होने वाले व्यक्तियों की इस वेतनमान में कम से कम वेतन रु 775/ दिया जाता है।

प्रेड ग में प्रेड घ में पदोन्नति होने वाले व्यक्तियों को इस वेतनमान में कम से कम वेतन रु 710/- दिया जाता है।

(ii) सेवा के प्रेड ग में नियुक्त व्यक्तियों को वो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना और परीक्षाएँ देनी प्राप्त अधिकार हो सकती है। परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यदि यह पाया जाता है कि सरकार के विवार में उनका कार्य प्रथमा आचरण समोचक नहीं है तो उनकी सेवा में समाप्त की जा सकती है। सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि जिम्मी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(iii) उपर्युक्त सेवा के प्रेड ग में नियुक्त किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्चतर प्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र होंगे।

(ब) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा को रेल मन्त्रालय तक ही सीमित किया गया है तथा उनके स्टाफ का स्थानांतरण अन्य मन्त्रालयों में नहीं किया जा सकता जैसा कि नीतीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में व्यवस्था है।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के अधिकारी—

(i) पेशन सुविधाओं के लिए पात्र होंगे, तथा

(ii) ये नियुक्त होने की सारीख सेवा में रेल कर्मचारियों पर लागू नियमों के अधीन नेशनलाई राज्य रेल भविष्य निष्पत्ति में शामिल करेंगे।

(अ) नियुक्त होने की तारीख का रेल कर्मचारियों पर लागू नियमों के अन्तर्गत रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार पात्र के सुकारार तथा विशेष टिकट प्राईर के भी हकदार होंगे।

(इ) जहां तक छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तों का सम्बन्ध है, रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में मन्मिलित किए गए स्टाफ अन्य रेल कर्मचारियों के समान ही माने जाएंगे, किन्तु जहां तक चिकित्सा सुविधाओं का सम्बन्ध है वे नीतीय सरकार के अन्य कर्मचारियों, जिनका मुख्यालय नई किली में है, पर लागू नियमों द्वारा शामिल होंगे।

ग भारतीय विदेश सेवा (ब) आशुलिपिकों का उपसर्वर्ष।

भारतीय विदेश सेवा (ब) आशुलिपिकों के उप सर्वर्ष में इस समय निम्न-लिखित चार प्रेड हैं—

वेतन प्रेड रु 775-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200।

प्रेड-I रु 650-30-740-35-880-द० रो०-10-1050।

प्रेड-II रु 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो० 25-800।

प्रेड-III रु 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

(प्रेड ग से पदोन्नति होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में न्यूनतम रु 710 पर निर्धारित किया जाएगा।)

2. इस सेवा के प्रेड-ग में भर्ती किए गए व्यक्ति वो वर्ष की परिवीक्षा पर होंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का कार्य या आधारण सरकार की गय में व्यापारोषजसक रहा तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी भी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

3. भारतीय विदेश सेवा (शाखा ब) आशुलिपिकों के उप सर्वर्ष-II में नियुक्त अधिकारी भारतीय विदेश सेवा शाखा-ख (प्रार० सी० एस० पी०) नियमावली 1964, भारतीय विदेश सेवा (पी० एस० सी० ए०) नियमावली 1961 जो भारतीय विदेश सेवा ख के अधिकारियों पर लागू की गई है तथा वे नियम और प्रादेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किए जाएं द्वारा शामिल होंगे।

4. भारतीय विदेश सेवा शाखा (ब) विदेश मन्त्रालय और विदेश में भारतीय मिशनों तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त अधिकारी अधिग्रहण मन्त्रालय को छोड़कर सामाजिक अन्य मन्त्रालयों से मन्त्रालयरित नहीं किए जा सकते। परन्तु वे विदेशों में अन्य मन्त्रालयों से नियमित पदों पर तथा अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययोगों अधिकारी में भी नियुक्त किए जा सकते हैं। वे भारत में तथा भारत के बाहर कही भी उन स्थानों सर्किन जहां परिवार का कोई भी सवास्य साथ नहीं रखता होता, सेवा पर भेजे जा सकते हैं।

5. भारतीय विदेश सेवा (ब) के अधिकारियों को विदेशों में, उनके मूल बेतन के अनुरिक्त उस दर से विदेश भत्ता दिया जाएगा, जो मध्यम देशों के निवाह खर्च अधिके के प्राधार पर समय-समय पर स्वीकार किया जाए। इसके अनुरिक्त भारतीय विदेश सेवा (ब) के अधिकारियों के लिए लागू भारतीय विदेश सेवा (पी० एस० सी० ए०) नियमावली, 1961 के अनुसार विदेश सेवा प्रवधि में निम्नलिखित रियायते भी स्वीकार्य होंगी।

(i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार नि शुल्क सुसङ्गत आवास।

(ii) मध्यायतार्थ चिकित्सा परिवर्त्या योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिवर्त्या सुविधाएँ।

(iii) 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए जो भारत १६ हेलो अध्ययन प्राक्षात्रा भारत में तथा त्रिमारा विदेश में "धिम" की तैनाती से इतर किसी अन्य देश से पढ़ रहा है, कठिनपय शतांत्रों के अधीन वायुमार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय। यदि सरकारी कर्मचारी के भारत में शिक्षा प्राप्त कर रहे 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे विदेश में अपने माता पिता के पास यात्रा करने वाले दो बच्चों के बदले अपनी पत्नी की छुट्टियों के दौरान भारत भेजने का विकल्प होगा। ऐसे किसी मामले में सरकारी कर्मचारी की पत्नी महसूसी में भी उपलब्ध थेणी से वायुमार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय की हकदार होगी।

- (iv) सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से 5 से 18 वर्ष के अधिक से अधिक दो बच्चों का शिक्षा भत्ता ।

(v) विहित नियमों और समय समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों के अनुमार विदेशी में सेवा करने के सबध में सज्जाकरण भत्ता । साधारण सज्जाकरण भत्ते के अतिरिक्त इन साधारण ठड़ी जलवायु याने वेशों देशों में नियुक्त अधिकारियों को विहित सज्जाकरण भत्ता प्राप्त होगा ।

(vi) विहित नियमों के अनुमार अधिकारियों और उनके परिवारों को घर आने की छुट्टी का यात्रा किगया ।

6 केन्द्रीय सिविल सेवा (छट्टूरी) नियम 1972 जो सभी समय पर सशोधित किए गए हैं, कठिनपण सशोधनो के अधीन इस सेवा के सदम्यों पर लागू होंगे। ये अधिकारी कुछ पड़ोसी देशों को छोड़कर किवेष मेवा में केन्द्रीय सिविल सेवा (छट्टूरी) नियम 1972 के अधीन प्राप्त छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक उत्तिरिक्त छट्टूरी अमा कर सकेंगे।

7 उक्त अधिकारी जो भारत में होंगे, तो ऐसी विधायितों के हक्कार होंगे, जो बराबर तथा एक समान स्तर के अन्य केन्द्रीय गवर्नरी कर्मचारियों के लिये प्राप्त हों।

8 भारतीय विदेश सेवा (ए) के प्रधिकारी मामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियमावली, 1960 जिसे मध्य-मध्य पर संशोधित किया गया है, तथा उसके अन्तर्गत जारी किए गए दृष्टिकोणों प्रारंभ सामित्र होगे।

९ इस सेवा में भियुक्त अधिकारी उदार पेशन नियमावली, 1950 जिसे समय-समय पर सशोथित किया गया है, श्रीर उसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों के द्वारा शामिल होते हैं।

—सशस्त्र सेना भूख्यालय आशिपिक सेवा

संशास्त्र सेना मुख्यालय भाष्यात्मिक सेवा मे इम समय निम्नलिखित आवश्यक है —

१ प्रेह-क आशुमिपिक (निर्जी माचव)-ग्रुप छ-राजपत्रित (अमन प्रेह) ।

बैतनमान —८०६५०(\*७७५) -३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-  
८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० ।

(\*) ग्रेड ख से पदोन्नति किए गए, अधिकारियों को न्यूनतम बेतन विधा जाएगा।

२ घेंड-ख आणुलिंगिक (ब्रारिठ वैयक्तिक गहायाक)-युप ख-गजपतिं।  
अंतर्नमान -रु० ६५० (\*७१०)-३०-७४०-३५-८८०-८० रु०-४०-  
१०४०।

(\*) ग्रेह-ग से पदोन्नति किए गए अधिकारियों को न्यूनतम बेतन दिया जाएगा।

#### ४ ग्रेड-८ आशालिपिक—ग्रप्त-ग ।

वेसनमात— 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-  
560।

2 अश्वसारी आशुलिपिक प्रेषन-ग (यैयकितक सहायक) के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्ति दो धर्यं तक परिवीक्षा द्वारा नहीं होती है। इस अवधि में यदि असमतोषजनक सेवा अभिनेत्र रक्षा तो परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाला जा सकता है। परिवीक्षा अवधि में उन्हें समय समय पर संरक्षण द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पर सकते हैं और परीक्षामान देनी पड़ सकती है।

3. सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती किया गया प्रैड-ग का आशुलिपिक सामान्यत सशस्त्र सेना मुख्यालय और दिल्ली/नई दिल्ली स्थित प्रत्यक्षर सेवा सगठन के बीच कार्यालय में नियुक्त किया जाएगा। वह दिल्ली/नई दिल्ली के बाहर पैसे अन्य सेवाओं पर भी नियुक्त किया जा सकता हो जहाँ सशस्त्र सेना मुख्यालय/प्रत्यक्षर सेवा सगठन के कार्यालय स्थित हों।

४ ग्रेड-ग के आशुमिक प्रेड-क्स (वर्गिष्ठ वैयक्तिक सहायक) के पदों पर पदोन्नति के लिए पात्र होंगे और ग्रेड-क्स के आशुमिक (वर्गिष्ठ वैयक्तिक सहायक) समय समय पर लागू किया गए नियमों के आनुसार ग्रेड-क के आशुमिक (दिजी मचिव) के स्वप्न में पदोन्नति के पात्र होंगे।

५ इन्हीं, जिकरिता सहायता और सेवा की इच्छा पर्याप्त वही है जो सशस्त्र मंत्री मुख्यालय और अन्तर्राष्ट्रीय समग्रणों में नियुक्त इच्छा विधिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लागू है।

परिभ्रष्ट III

## उगमीद्वारों के लिए सुचना प्राप्तकाल

इस पुस्तिका का उद्देश्य इभ परीक्षा के मनध में आपको अधिक से अधिक सूचना देना है जिससे परीक्षा के वस्तुप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न लो।

विषय, स्तर और प्रकरण

मामान्य अर्थसे, निवध और सामान्य ज्ञान के निरपेक्ष में प्रत्येक के प्रश्न-पत्र की सिद्धिता परीक्षा २ घंटे की होगी। प्रश्न-पत्रों का गतर देसा होगा जिसके अधिपाला प्रणों के उत्तर विभीति राज्य शिखा बाँड़े या मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या मंटीकुलेज या समाजापनीयों के डाक्टरेश्वर दे सकेंगे। प्रत्येक विषय के लिए प्रकारण परिक्षण I की अनुभूति में दिया गाया है।

ऐसे भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका परिणाम । मेरे स्पष्ट सुननेवाले नहीं कित्त वे सामान्य सैटिक्योंशन या समक्षा परिक्षा के स्तर के होंगे।

सामाजिक अवृंदाजी और गामाल्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों में परीक्षा वस्तुपरक्त 'या' बहु विकल्प उत्तर प्रकार की होती है। प्रश्न-मूल्यकाल में कई अशा (प्रश्न) छपे होते हैं। प्रत्येक प्रश्न के सामने दार्जिना नं० ३, ४, या ५ सभाल्य विकल्प (उत्तर) होते हैं। अपांकों प्रत्येक अशा के सामने दिये गये उत्तर में से सही उत्तर चुन लेना होता है। अगर आप गमज्ञ हैं, कि एक या अधिक उत्तर गले हैं तो आपको सबसे प्रधिक सही उत्तर चुन लेना होता है। प्रत्येक अशा के नियंत्रे आपको एक और केवल एक उत्तर का उपयन करना होता है।

उत्तर देने की विधि

आपके क्रमांक 1, 2, 3 आदि होंगे। प्रत्येक अध्ययन के विकल्प 1, 2, 3, 4 आदि श्रृंखला होंगे। आपको प्रपत्रने उत्तर अधिकारी करने के लिये एक घलग उत्तर पत्रक दिया जायगा (इस पुस्तिका के अन्त में प्रस्तुत नमूना उत्तर पत्रक देखिये)। उत्तर पत्रक पर अध्ययन के क्रमांक दिये आयेंगे और उनके सामने दाहिनी तरफ प्रत्येक का उत्तर देने के लिये जगह छोड़ी जायेगी। पहले ही तथा विधिये कि प्रत्येक अध्ययन के सामने जो विभिन्न उत्तर दिये गये हैं, उनमें कौन सा सही या सबसे अधिक उपयुक्त है। उम्मके बाबत आपने जिस उत्तर को सही समझ लिया है उसकी सल्लाह उत्तर देने के लिये छोड़ी हुई जगह पर लिख दीजिये (नमूना उत्तर पत्रक पर दिया गया है उदाहरण देखिये)।

हृष्ण ध्यान दीजिये कि आपको प्रत्येक अध्ययन का वेचल एक ही उत्तर देना है। अगर एक से अधिक उत्तर दिये आयें, तो आपका उनके लिये कोई नम्बर नहीं मिलेगा ज्ञाहे आपके दिये हुए उत्तरों में कोई सही भी भयो न हो। अगर आपने कोई गलती की है और उस गलत उत्तर को बदलना चाहते हैं तो गलत उत्तर को पूरा काट दीजिये और सही उत्तर साफ-साफ लिख दीजिये।

कुछ महत्वपूर्ण नियम

(1) आपको परीक्षा के आरम्भ होने के निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंच कर तुरन्त अपनी सीट पर बैठना होगा। परीक्षा आरम्भ होने से पहले पर्यवेक्षक परीक्षा के लिए कुछ विशिष्ट अनुदेश देंगे।

(2) परीक्षा के 45 मिनट होने के 30 मिनट बाद किसी को भी परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(3) परीक्षा के आरम्भ होने के बाद 45 मिनट के पहले किसी को भी परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(4) परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दे। प्रश्न पुस्तिका की परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

(5) उत्तर पत्रक पर दिये गये उपयुक्त स्थान पर अपना रोल नम्बर, परीक्षा केन्द्र, प्रश्न पुस्तिका का कोड नम्बर और क्रमांक साफ-साफ लिखिये। उत्तर पत्रक पर कही भी अपना नाम लिखना नहीं चाहिये।

(6) परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर जो अनुदेश दिये गये हैं उन सबकी आप सावधानी से पढ़ लें। कृपि सूच्योंका मशीन से किया जाता है, इसलिये अगर आप अनुदेशों का सावधानी से पालन नहीं करेंगे तो आपके नम्बर कम हो सकते हैं। उत्तर पत्रक पर कोई भी प्रविष्टि सविग्रह हो तो उसके लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा।

पर्यवेक्षक के द्वारा दिये गये अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक आपको किसी परीक्षण या परीक्षण के किसी खण्ड की आरम्भ या समाप्त करने को कहे तो आपको उनके अनुदेशों का तुरन्त पालन करना होगा।

(7) आप अपना प्रबोध प्रश्न-पत्र भाग ले जायें। आपको एक वेसिल और एक नीली या काली स्याही वाली कलम भी साथ लानी होगी। आपको कागज का कोई टुकड़ा या रद्द कागज, वैभवना या ड्राइग की सामग्री परीक्षा भवन में लाने की अनुमति नहीं दी जायेगी क्योंकि उनकी अवधारकता नहीं पड़ेगी। कष्टकारक करने के लिये उत्तर पत्रक पर ही जगह दी गई है। उत्तर स्याही में निखना चाहिये, पेसिल से नहीं। उत्तर पत्रक पर लाल स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिये। आप इस सूचना पुस्तिका को साथ नहीं लाइएगा और जो कुछ इसमें लिखा है यह

आपको याद है ऐसी अपेक्षा भी नहीं की जाती है। मुख्य निवेश प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर उपयोग इसके प्रलापा परीक्षा शुरू होने से पहले आप वे बातें निरीक्षक से पूछ लकर हैं जो आपको स्पष्ट न हो।

कुछ उपयोगी भक्तें

यद्यपि इस परीक्षण में गति की फैसला शुरू हो प्रतिक्रिया बल किया जाता है, फिर भी आपके लिये यह महत्वपूर्ण है कि आप, जहां तक सम्भव हो, कम से कम समय ले। आप सापरवाही के बिना और मन्तुलन के साथ जल्द से जल्द आगे बढ़े। यदि आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सकते हैं तो नरेशान नहीं। जो प्रश्न आपको बहुत कठिन लगें, उन पर ज्यादा समय न लगाये। आपको प्रश्नों को पहले करें और कठिन प्रश्नों को बाद में।

प्रत्येक प्रश्न के लिये समाचार उत्तर दिये गये हैं। इनमें हो सकता है कि जिन प्रश्नों के उत्तर आपको ठीकर्ट का मालूम नहीं है उनका अनुमान लगाने के लिये आप सोचने लग जायें। पहले उन प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करें जिनके बारे में आप निश्चित हों। यदि आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ नहीं जानते हैं तो उसे खाली छोड़ देना ठीक रहेगा ऐसे प्रश्नों को छोड़ने से, ही सकता है, आपको ज्यादा नम्बर मिले, बल्कि स्पष्ट हसके कि, आप मूल्य में अनुमान लगाने लगें। किन्तु जहां आप विवेकपूर्ण अनुमान लगाने से भर की जानकारी रखते हो, वहां आप ऐसा कर सकते हैं।

उपादान में दिए गए नमूने के प्रश्नों से यह जानकारी भील आती है कि परीक्षण में प्रश्न किस प्रकार के होंगे। इन उदाहरणों से यह नहीं समझ सका जाता है कि इनमें पूरी विषय-स्थृत्या कठिनाई का परिचय मिलता है।

ये प्रश्न आपकी जानकारी, सूक्ष्म और विशेषणशीलता का अनुमान लगाने के लिये बहाने गये हैं, न कि यादानं का पास लगाने के लिये। यदि आप सगत विषयों को सरमरी निगह से देख ले तो लाभवायक होगा। जिससे आप आश्वस्त हो जायें कि आप सम्बन्धित विषय को प्रचली तरह समझते हैं।

उपादान  
नमूने के प्रश्न

## 2 सामान्य ज्ञान

1 निम्नलिखित में से किस के द्वारा उप केन्द्रित समस्ति मिलान्त विकसित हुआ है —

- (1) नेत्रिलियो
- (2) टोलमी
- (3) न्यूटन
- (4) कोणरनिक्स

2 निम्नलिखित में से कौनसा समुक्त गण्ड सगठन का अग नहीं है —

- (1) सुरक्षा परिषद्
- (2) न्यासिता परिषद्
- (3) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापारम

## उत्तर कुंजी

| प्रश्न | उत्तर |
|--------|-------|
| 1      | 4     |
| 2      | 3     |

नमूला उत्तर पत्र

| प्रतुक्षमांक | केन्द्र | प्रश्न पुस्तिका की कूट संख्या | प्रश्न पुस्तिका की क्रम संख्या |
|--------------|---------|-------------------------------|--------------------------------|
|--------------|---------|-------------------------------|--------------------------------|

## निवेशः

(1) सभी उत्तर उत्तर-पत्र के भीतर देने हैं। प्रश्न पुस्तिका के प्रश्नों की क्रम संख्याएँ भीतर छपी हुई होती हैं। आपको प्रत्येक प्रश्न संख्या के सामने उस प्रश्न के लिए उपर खुने हुए सही या सर्वोत्तम उत्तर की क्रम संख्या लिखनी है। उदाहरण के लिए, प्रश्न संख्या 16 के लिए अगर विकल्प 3 सही या सर्वोत्तम उत्तर हो तो आपको सामने विद्याई गई विधि से उत्तर का निर्वेश करना है। अगर कोई प्रविष्टि स्पष्ट न हो या सविष्ट हो तो उसके लिए आपको कोई अक नहीं मिलेगा।

|    |   |
|----|---|
| 15 |   |
| 16 | 3 |
| 17 |   |

(2) प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक और केवल एक उत्तर देना है। अगर आप एक से अधिक उत्तर देते हैं तो आपको कोई अक नहीं मिलेगा जाहे आपके द्वारा हुए उत्तरों में से एक सही भी क्यों न हो।

|    |   |
|----|---|
| 15 |   |
| 16 | 3 |
| 17 |   |

(3) अगर आपने गलत उत्तर दिया हो और उसको ठीक करना चाहते हों तो इस बात को सुनिश्चित कर लीजिए कि आपका संघोषित उत्तर स्पष्ट हो। अगर किसी प्रश्न के उत्तर में आपका किया गया संघोषित स्पष्ट नहीं है या सविग्रह है तो आपको उस प्रश्न के लिए कोई अक नहीं मिलेगा। संघोषित का उदाहरण सामने देखें।

(4) प्रश्नोंका उत्तर देने में स्थानी या बाल-पाइन्ट पेन का ही प्रयोग करें। वैतिल या लाल स्थानी का प्रयोग न करें।

| प्रश्न सं० | उत्तर |
|------------|-------|------------|-------|------------|-------|------------|-------|
| 1          |       | 11         |       | 21         |       | 31         |       |
| 2          |       | 12         |       | 22         |       | 32         |       |
| 3          |       | 13         |       | 23         |       | 33         |       |
| 4          |       | 14         |       | 24         |       | 34         |       |
| 5          |       | 15         |       | 25         |       | 35         |       |
| 6          |       | 16         |       | 26         |       | 36         |       |
| 7          |       | 17         |       | 27         |       | 37         |       |
| 8          |       | 18         |       | 28         |       | 38         |       |
| 9          |       | 19         |       | 29         |       | 39         |       |
| 10         |       | 20         |       | 30         |       | 40         |       |

## कठबैंड काय के लिय स्थान

## वित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

मई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर, 1977

सं० एफ० 2(20)-एन० 77—इस मंत्रालय की दिनांक 16 जुलाई, 1977 की अधिसूचना संख्या एफ० 2(20)-एन० 77 (भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित) में आधिक संघोषित करते

हुए, केन्द्रीय सरकार एतत्पारा यह निवेश देती है कि मानकीकृत एजेंसी प्रणाली के अस्तित्व प्राधिकृत एजेंटों को उनके द्वारा बो-वर्षीय और तीन-वर्षीय बाक्षर वाक्षिक जमा जाते भौं जो रकम जमा करायी जायेगी उन पर दी जाने वाली करोशन 16 अगस्त, 1977 से एक प्रतिशत होगी त कि 18 जुलाई, 1977 से जैसा कि उक्त अधिनियम में विविदिष्ट किया गया था।

धी० लक्ष्मीनारायणन्, निदेशक (अजट)

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

संकल्प

स० फा० १६(३)-सम्पा० V(ब) /७७—इस मन्त्रालय के विनाक ३१ मई, १९७७ के सकल्प स० १६(३)-सम्पा० V(ब) /७७ का समोधन करते हुए, संयुक्त परामर्शदाता तत्व की राष्ट्रीय परिषद् की समिति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार की भविष्य निधियों में जमा राशि पर आज की दर में बढ़ाव करने का निर्णय किया गया है। वर्ष १९७७-७८ के दौरान मासान्य भविष्य निधि तथा उभी प्रकार की शक्ति निधियों में अशावालाओं की २५,००० रु० तक जमा राशि पर (जिसमें जमा की गई तथा निकाली गई राशि शामिल हैं) ४ प्रतिशत की वार्षिक दर से आज मिलेगा तथा २५,००० रु० से अधिक राशि पर ७.५० प्रतिशत वार्षिक की दर से आज दिया जाएगा। ये दरे १ अप्रैल, १९७७ से भारत होने वाले विनाय वर्ष के दौरान लागू रहेंगी। मन्त्रियों निम्नलिखित हैं—

१. सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएँ)
२. सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएँ)
३. अशावाली भविष्य निधि (भारत)
४. अधिक भारतीय भेवाएँ भविष्य निधि
५. भारतीय आयुध निर्माण विभाग भविष्य निधि।
६. अन्य विविध भविष्य निधि (आपण)
७. रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि
८. सशस्त्र सेना कार्मिक भविष्य निधि
९. भारतीय आयुध निर्माणी कामगार भविष्य निधि
१०. अंगदायी भविष्य निधि (रक्षा)
११. भारतीय नौसेना डाक्याडे कामगार भविष्य निधि।

२ रेलवे मन्त्रालय के नियत्रण के अन्तर्गत आने वाली विभिन्न भविष्य निधियों में जमा राशि पर, उल्लिखित वर्ष में, लागू आज की दरों के सघन में आवश्यक आवेदन उस मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा अलग से जारी किए जाएंगे।

३ आवेदा दिया जाना है कि इस सकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

प्रधान मुन्द्र लाल मस्होदा, प्रधर निव

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग  
नई दिल्ली-११००२९, दिनांक 25 अक्टूबर, 1977

स० एफ० १(१४)/७६-एग० आर०-I—नैशनल रिसर्च डिवलपमेंट कार्पोरेशन (कम्पनी अधिनियम, १९५६ के प्रशीन पंजीकृत कम्पनी) के अतिनियमों के अनुच्छेद ८९ के अनुपालन में तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की विनाक १४ मितम्बर, १९७६ की अधिसूचना स० एफ० १(१४)/७६-एग० आर०-I के अधिक आशोधन में, राष्ट्रपति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में संयुक्त सचिव (विष) श्री पी० के० रामानुजम को १८ अक्टूबर, १९७७ से १४ मितम्बर, १९७९ तक श्री पी० एम० थेलिअप्पा के स्थान पर, जिनका प्रथ ऊर्जा मन्त्रालय (शक्ति विभाग) में स्थानातरण हो गया है, सहृदय निगम के निवेशक मड़ल में निवेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

२. राष्ट्रपति, भारत सरकार के तत्कालीन सचिव तथा वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक, डॉ० वाई० नायुवम्पा का, विनाक २७ जुलाई, १९७७ से, नैशनल रिसर्च डिवलपमेंट कार्पोरेशन के निवेशक मड़ल में निवेशक के रूप में नामांकन भी रद्द करते हैं।

के० श्री० स्वामीनाथन, निदेशक

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्रालय  
नई दिल्ली, दिनांक 15 मितम्बर, 1977

संकल्प

स० एन०-११०१४/४/७७-नसवन्ती-I—स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मन्त्रालय (परिवार कल्याण विभाग) के २१ जुलाई, १९७५ के सकल्प मण्डपा एन०-१३०२३/१३/७४-आर००००० के अधिकारण में, भारत सरकार ने जीवीय कार्य में परिवार कल्याण कार्यक्रम से संबंधित तभी तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु सरकार को सलाह देने के लिये समिति को बुनेंगठित करने का निर्णय लिया है।

२ बुनेंगठित समिति की संरचना इस प्रकार होगी—

|  |        |
|--|--------|
| १. अपर सचिव एवं आयुक्त (परिवार कल्याण)   | प्रधान |
| २. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक  | सदस्य  |
| ३. राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्रालय,   | सदस्य  |
| नई दिल्ली के निवेशक  |        |
| ४. भारतीय विकितमा अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक सदस्य   |        |
| ५. प्रधान, फेडरेशन आफ आब्स्ट्रिक्शन एंड गायनेकालो-   |        |
| नीकल सोमायटी आफ इंडिया अवयवा उनका प्रति-   |        |
| निधि।  | सदस्य  |
| ६. अध्यक्ष, भारतीय सर्जन संथ अवयवा उनका प्रतिनिधि  | सदस्य  |
| ७. अध्यक्ष, इंडियन मेडिकल एसोसियेशन अवयवा उनका प्रतिनिधि।  | सदस्य  |
| ८. अध्यक्ष, आल-इंडिया पीडिएट्रिक्स अकादमी अवयवा उनका प्रतिनिधि।  | सदस्य  |
| ९. डा० आर० पी० लोनावाला, नीरोजी वाडिया प्रसूति प्रस्तावाल, आचार्य दाण्डे मार्ग, परेल, बम्बई-४०००१२         | सदस्य  |
| १०. डा० सुश्रव जांव, प्राध्यापक, प्रसूति तथा स्ट्रीरोग मेडिकल कालेज, लिंबेन्ड्रम।                          | सदस्य  |
| ११. डा० पी० के० देवी, प्राध्यापक, स्ट्री रोग, स्नातकोत्तर विकितमा विभाग तथा अनुप्राधान मन्त्रालय, चण्डीगढ़ | सदस्य  |
| १२. डा० वी० एन० श्रीबंडे, बम्बई  |        |
| नारायण मेशन, १६६-ए०, डा० अम्बेदकर मार्ग, दादर, बम्बई ४०००१४  |        |
| १३. डा० जमशेद एन० पोदोबानिया, एमीरिट्स (बाल-रोग विशेषज्ञ) मेडिकल कालेज, इन्डैर (मध्य प्रदेश)।              | सदस्य  |
| १४. डा० एन० एन० गुराता, विशेष निविव, स्वास्थ्य विभाग, उत्तर प्रदेश, सरकार, लखनऊ।                           | सदस्य  |
| १५. डा० पी० आर० सोल्ही, निवेशक, स्वास्थ्य सेवा, हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़।                                   | सदस्य  |
| १६. डा० वी० वान हरीश चन्द्र, १, हनुमान रोड, नई दिल्ली  | सदस्य  |
| १७. डा० जुगल किशोर, मन्त्रालय (होम्योपैथी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्रालय।                          | सदस्य  |

|   |       |
|---|-------|
| 18 डा० के० एन० उडप्पा, निदेशक, आयुर्विज्ञान संस्थान,<br>वाराणसी, हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।                                 | मदस्य |
| 19 पहिन शिव शर्मा, अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा की<br>केन्द्रीय परिषद, बहारिस्तान, बोमतरी, पैटिट रोड,<br>कम्बला इल्स, बम्बई-400036। | मदस्य |
| 20 उपायुक्त (टी० एम०)   | मचिव  |

3 समिति के विचारार्थी विषय परिवार कल्याण कार्यक्रम के कार्य-क्षेत्र में सभी समस्याओं, जिसमें प्रशासनिक, सगठनात्मक तथा तकनीकी समस्याओं विशेषकर नूप निवेशन तथा निवारनी प्रक्रियाओं, गर्भ के चिकित्सकीय समाजन और खादी जैसे वारी गर्भनिरोधक गोलियों की समस्याएँ भी शामिल हैं, पर विचार करना और सरकार को मलाह देना होगा।

4 समिति को धर्मी बैठकों में भाग लेने के लिये सबधित समस्याओं के विशेषज्ञों को सहयोगिता/आमतित करने का अधिकार होगा।

5 समिति का कार्यकाल दो वर्ष होगा।

6 बैठक में भाग लेने पर समिति के गैर-सरकारी सदस्य उसी यात्रा भूमि और दैनिक भूमि के पात्र होंगे जो केन्द्रीय सेवाओं के प्रथम श्रेणी के सर्वोच्च ग्रेड के अधिकारियों को मिलते हैं। समिति के जो सदस्य सरकारी कर्मचारी हैं, वे उसी स्रोत से यात्रा-भूमि और दैनिक भूमि लेने के पात्र होंगे जहाँ से उन्हें बैठन मिलता है।

7 इस पर होने वाला व्यय मांग संघरा 50 परिवार कल्याण, मुख्य सीधे 238-क-परिवार कल्याण, क-1 निदेशक सभा प्रशासन क-1 (1)-मुख्यालय का तकनीकी पथ, क-1(1) (3) यात्रा व्यय 1977-78 के अन्तर्गत मजूर किए गए बजट में से पूरा किया जायेगा।

#### प्रावेश

आदेश दिया जाता है कि इस सफल्य को एक प्रति सभी राज्य सरकारों को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस सफल्य को आम सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाये।

दिनांक 28 अक्टूबर, 1977

#### सकल्य

स० आर०-17011/2/77-सी० एष्ट जी० (आ० एस०) —इस सकल्य के 7 दिसम्बर, 1976 के सकल्य संघरा आर०-17011/36/75-सी० एष्ट जी० (आ० एस०) के पैग 1 में निम्नलिखित संशोधन कर दिये जायें, नामत:

1 कम संघरा 2 के बाद निम्नलिखित कम संघरा अन्त स्थापित की जायें, नामत:

"2(क) केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य सर्वी —उपायक्षम।"

2 कम संघरा 20 के बाद निम्नलिखित नाम अन्त स्थापित किये जायें, नामत:

"21 प्रोफेसर विनय कुमार

22 श्री रामानन्द मिहू"

3 उक्त पैराग्राफ में वर्तमान कम संघरा 21 को बदल कर कम स० '23' बना दिया जाये।

आदेश दिया जाता है कि इस सफल्य को भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा राज्य सरकारों/संघ शामिल देशों को भेज दिया जाये और सामान्य सूचनायित हस्ते भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित कर दिया जाये।

संघरा सेवाल, अपर सचिव एवं उपायुक्त (प० क०)

#### सूचना और प्रसारण मत्तालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1977

स० 201/7/76-एफ० पी०—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मत्तालय के सकल्य स० 6/10/75-एफ० (पी०), दिनांक 12 अक्टूबर, 1975 के नियम 2(ग) और 3 के अनुमत्रण में, केन्द्रीय सरकार एतदादारा निम्नलिखित व्यक्तियों को एक नवम्बर, 1977 से 2 वर्ष की अधिक के लिये फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई का सदस्य नामजद करती है —

(1) श्री ईंजा शीर

(2) श्री जी० एस० पोदेकर

(3) श्री आर० के० लक्ष्मण

(4) श्रीमती स्नेहप्रभा प्रधान

[अर्जुन देव मसिक, ईस्क अधिकारी

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर, 1977

#### सकल्य

स० 4/8/77-प्रेस—गुट निरपेक्ष देशों के सूचना मत्तियों के नई दिल्ली में जुलाई, 1976 में हुए सम्मेलन में गुट निरपेक्ष देशों का समाचार-पत्र एजेंसी समग्र और समग्र की एक समन्वय समिति गठित की गई थी। भारत सरकार एतदादारा श्री दिनकर राव मनकेकर को गुट निरपेक्ष देशों के समाचार-पत्रों एजेंसी समग्र की समन्वय समिति में काम करने के लिये तत्काल से भारत का प्रतिनिधि नामजद करती है।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस सकल्य को एक-एक प्रति गुट निरपेक्ष देशों के समाचार-पत्र एजेंसी समग्र की समन्वय समिति में भारत के प्रतिनिधि श्री दिनकर राव मनकेकर, प्रधान मत्ती के मचिव, मत्तीमहल सचिव, विदेश सचिव, सचाव विभाग के मचिव, विन विभाग के मचिव (व्यय) को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस सकल्य की सर्वी साधारण के सूचनार्थी भारत के राजपत्र (सामान्य) में प्रकाशित किया जाये।

सुरेण कुमार महगत, मचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
 (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 19th November 1977

No. 12/5/77-CS II.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1978 for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts are published for general information

- (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' sub-cadre),
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade),
- (iii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade),
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C, and
- (v) Posts of Stenographer in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

1. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the services/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered for.

NOTE 1.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts, for which they wish to be considered. No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the last date prescribed by the Commission for receipt of applications in their office.

NOTE 2.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination would require only English Stenographers, and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Tests in English (of para 3 of Appendix I to the Rules).

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes), (Union Territories) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4 (1) A candidate must be either.—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries or Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers Sub-Cadre).

(2) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is not a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia shall be permitted to compete more than twice at the examination but this restriction shall be effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, the examination will mean the Stenographers' Examination, the Stenographers (Released EC/SSC/ Officers and ex-servicemen) Examination and the Stenographers' (ex-servicemen) Examination.

NOTE 2.—For the purpose of this rule a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Services/posts coveted by the examination, if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 3.—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

6 (A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1978, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1953, and not later than 1st January, 1960.

(B) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers/Clerks/Stenotypists) in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including language Stenographer)/Clerk/Stenotypist on 1st January, 1978 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers on the basis of earlier examinations, held by the Union Public Service Commission in '—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C, or
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade C or
- (iii) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers' Sub Cadre, or

- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade C.

NOTE 1—Service rendered by R M S Sorters employed in Subordinate Offices of P & T Dep'tt shall be treated as service rendered in the grade of Clerk for purpose of Rule 6(B) above.

NOTE 2—Service rendered by Service clerks employed in Defence installations, shall not be counted for the purpose of Rule 6(B) above

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable—

- (i) up to a maximum of three years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971,
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emer-

gency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(B) above shall be cancelled, if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is re-lunched from the service or post after submitting his application

(ii) A stenographer (including language Stenographer)/ Clerk/Stenotypist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred, will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7 Candidates must have passed the Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

8 All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice

9 The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final

10 No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11 Candidate must pay the fee prescribed in para 7 of the Commission's Notice

12 A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting forged documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or

- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;
- rendering himself liable to criminal prosecution, may, in addition to be liable—
- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them, and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

13 After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select Lists of Grade C of the Central Secretariat Stenographers Service and Railway Board Secretariat Stenographers' Service upto the required number and for appointment upto the number of unreserved vacancies in other service/posts decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for inclusion in the Select List of Grade C of the Central Secretariat Stenographers Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service and for appointment to vacancies in other Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. Subject to other provisions contained in these Rules, due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate for various Services/posts at the time of his application (cf col 19 of the application form).

15 The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16 Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointments to the Service/post.

#### 17 No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
  - (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;
- shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

18 A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority is found not

to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

**NOTE**—In the case of disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

19 Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

K L RAMACHANDRAN, Deputy Secy

#### APPENDIX I

1 The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows—

#### PART A—WRITTEN TEST

| Subject                 | Time allowed | Maximum Marks |
|-------------------------|--------------|---------------|
| (i) General English     | 2 hours      | 50            |
| (ii) Essay              | 2 hours      | 50            |
| (iii) General Knowledge | 2 hours      | 100           |

#### PART B—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST)

300  
Marks

**NOTE**—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on type writers, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2 The papers in General English and General Knowledge will consist of Objective Type questions, for details including sample questions please see Candidates' Information Manual at Appendix III.

3. The syllabus for the Written Test and the scheme of the shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix

4. Candidates are allowed the option to answer paper (ii) 'Essay' and paper (iii) 'General Knowledge' either in Hindi (Devanagari) or in English. The option will apply to complete papers and not to a part thereof and it should be the same for both the papers mentioned above.

Candidates exercising the option to answer the Essay paper in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

Candidates who opt to answer the aforesaid papers in Hindi (Devanagari) will be required to take the Shorthand Tests also in Hindi (Devanagari) only and candidates who opt to answer the aforesaid papers in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only.

Questions papers in Essay and General Knowledge will be set both in Hindi and in English. However, the question paper in 'Essay' will also contain Hindi version of the English captions of essay.

**NOTE 1**—Candidates desirous of exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge, of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in col 12 of the application form. Otherwise it will be presumed that they will take the Written Test and Shorthand tests in English.

The option once exercised shall be treated as final, and no request for alteration in the said column shall be entertained.

**NOTE 2**—Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English stenography, and vice versa, after their appointment.

**NOTE 3**—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge and take the Stenography Test in Hindi in terms of para 4

above, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

5 Paper (i) General English of the Written Test will be set in English only and it must be answered in English by all candidates.

6 Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 100 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (cf Part B of the Schedule below).

7 Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

8 The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

9. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the Written test as may be fixed by the Commission in their discretion will be called for shorthand test.

10 Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

11. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

12. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the paper on Essay for the examination.

## SCHEDULE

### Part A

#### *Standard and syllabus of the written test*

NOTE.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

*General English.*—The paper will be designed to test the candidates' knowledge of English Grammer and Composition and generally their power to understand and ability to write correct English. The paper may include questions on précis writing, drafting, correct use of words, easy idioms and propositions; direct and indirect speech etc.

*Essay*—Candidates will be required to write essay on two topics. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

*General Knowledge*—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, general and economy geography of India, current events, everyday science and such matters of everyday observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

### Part B

#### *Scheme of Shorthand Tests*

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests, one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for ten minutes, which the candidates will be required to transcribe in 45 and 50 minutes respectively.

The Shorthand Tests in Hindi will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

## APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination,

### A The Central Secretariat Stenographers Service

The Central Secretariat Stenographers' Service has at the present four grades as follows.—

Grade A : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade B : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade C : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800

Grade D : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

Persons promoted from Grade B to Grade A are allowed a minimum pay of Rs. 775 in the scale. Persons promoted from Grade C are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale.

(2) Persons recruited to Grade C of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons recruited to Grade C of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may however, at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade C of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to Grade C of the Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Service Scheme.

### B. The Railway Board Secretariat Stenographers Service

(a) (i) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows —

Grade A : Rs. 650 (775)—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade B : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade C : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade D : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

Persons promoted from Grade B to Grade A are allowed a minimum of pay of Rs. 775/- in the scale.

Persons promoted from Grade C to Grade B are allowed a minimum salary of Rs. 710/- in the scale.

(ii) Persons recruited to Grade C of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(iii) Persons recruited to Grade C of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and staff are not

liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' Service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules

- (i) will be eligible for pensionary benefits, and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service

(d) The candidate appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the privilege of Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi

#### C Indian Foreign Service (B)—Stenographers Sub-cadre

The Stenographers Sub-cadre of the I.F.S. (B) has at present four grades as follows—

Selection Grade Rs 775—35—850—40—1000—EB—40—1200

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040

Grade II Rs 425—15—500—SB—15—560—20—700—EB—25—800

Grade III : Rs 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(Persons promoted from Grade II are allowed a minimum salary of Rs 710).

2 Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation it is found that the work or the conduct of any of them, in the opinion of the Government has been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3 The officers appointed to Grade II of the S.S.C. of the I.F.S. (Branch 'B') will be governed by the I.F.S. Branch 'B' (RCSP) Rules 1964, I.F.S. (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to I.F.S. 'B' officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

4 The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are, however, liable to be posted abroad against the posts borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commissions etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India including non-family stations.

5. During Service abroad IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc of the countries concerned. In addition, the following concession are also admissible during service abroad in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) Officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.
- (ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.
- (iii) Annual return air passage for children upto a maximum of two children between the ages of 8 and 21 studying in India or one child studying in India and one child in a country other than the country of the officer's posting abroad subject to

certain conditions. If a Government servant has more than two children between ages of 8 and 21 studying in India during the vacation in lieu of two children visiting their parents abroad. In such a case the wife of the Government servant shall be entitled to return air passage by the cheapest class available

(iv) An allowance for the education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time

(v) Outfit allowance in connection with service abroad in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition to ordinary outfit allowance, special outfit allowance is admissible to officers posted in countries, where abnormally cold climatic conditions exist.

(vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules

6. Central Civil Services (Leave) Rules, 1972, as amended from time to time will apply to members of the service, subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Central Civil Service (Leave) Rules, 1972

7. While in India, Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status

8. Officer of the IFS(B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder

9. Officers appointed to this service are governed by the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, as amended from time to time to and by orders issued thereunder

#### D Armed Forces Headquarters Stenographers' Service

The AFHQ Stenographers' Service has at present, four grades as follows :

1 Grade A Stenographers (Private Secretary) Group B—Gazetted (Selection Grade)

Scale of pay—Rs. 650 (\*775)—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200

\*Guaranteed minimum for those promoted from Grade B

2 Grade B Stenographers (Senior Personal Assistants) Group B—Gazetted

Scale of pay—Rs. 650 (@710)—30—740—35—880—EB—40—1040

@Guaranteed minimum for those promoted from Grade C

3 Grade C Stenographers (Personal Assistant) Group B—Non-Gazetted

Scale of pay—Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—FB—25—800

4. Grade D Stenographers —Group C

Scale of pay—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560

2 Persons recruited direct as temporary stenographers Grade C (Personal Assistants) will be on probation for a period of 2 years. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During probation, a member of the Service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may from time to time, prescribe

3. Stenographers Grade C recruited to AFHQ Stenographers' Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where offices of AFHQ/IS Organisations may be located.

4 Stenographers' Grade C will be eligible for promotion to the post of Stenographers' Grade B (Senior Personal Assistants) and Stenographers' Grade B (S.P.A.s) will be eligible for promotion to Stenographers Grade A (Private Secretary) in accordance with the rules in force from time to time.

5. Leave, Medical Aid and other conditions of service are the same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations

### APPENDIX III CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

This manual is intended to give you as much information as we can, about the examination so that you do not suffer due unfamiliarity with the type of examination

#### *Subjects, Standard and Topics*

The written examination in each of the subjects viz. General English, Essay and General Knowledge will be of 2 hours duration each. The standard of question paper will be such that candidates of Matriculation Examination of a State Education Board or of a recognised University or equivalent will be able to answer most of the questions. The topics covered under each of the subjects are given in the schedule to Appendix I.

Questions may be asked from areas which are not explicitly mentioned in Appendix I but are generally covered at the Matriculation or equivalent examination

For General English and General Knowledge the examination will be of the 'objective' or 'multiple choice answer' type. There will be many items (questions) printed in a test booklet. Each item will have 3, 4 or 5 possible responses (answers) printed right after it. Your task will be to select THE CORRECT RESPONSE to each item. In case you consider more than one response to be correct, then you should choose THE BEST RESPONSE. For each item you should select ONE, AND ONLY ONE response.

#### *Method of Answering*

The items will have serial Nos. 1, 2, 3 etc. The response choices for each item (question) will be marked '1', '2', '3', '4' etc. A separate answer sheet will be given to indicate your responses (see specimen answer sheet at the end of this manual). On the answer sheet, the serial numbers of the items will be given and at the right of each number there will be space provided for your response. First decide which is the correct or best response, out of those given for each item. Then indicate your response by writing the number of the response you have selected in the space provided for the response (see example on the specimen answer sheet).

Please note that YOU ARE TO MARK ONLY ONE RESPONSE for each item. If you mark more than one response for any item you will not be given any credit for it even if one of your responses is correct. If you make a mistake and wish to change your response, score out the error completely and clearly write the correct response.

#### *Some Important Rules*

- (1) You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately. Before the commencement of the test, Supervisor will give some very specific instructions for the examination.
- (2) Nobody will be admitted to the test after the expiry of 30 minutes from the commencement of the test.
- (3) No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- (4) After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST-BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL**
- (5) Write clearly your Roll No., Centre of the test and code number and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

(6) Since evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If your entry against any item in the answer sheet is ambiguous you will get no credit for that item.

Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.

(7) Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a pencil and a pen containing blue or black ink. You will not be permitted to take any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall as they are not needed. Space for rough work is provided on the answer sheet itself. Answer should be marked in ink and not in pencil. Red ink should not be used on the answer sheet. You should not bring even this Manual nor are you supposed to memorise all that is written here. The important directions will be printed on the Test Booklet and on the Answer Sheets. Besides before the test starts you will be permitted to ask questions to the invigilator on any point which is not clear to you.

#### *Some useful hints*

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. First try to answer those questions about which you are sure. If you know nothing about a question, it is better to leave it blank. You will get better marks by omitting such questions than by blind guessing. However, where you know enough to make an intelligent guess, you may do so.

The sample questions in Annexure illustrate the kinds of questions in the test. These examples should not be considered as indicating full range of content or difficulty.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

#### *ANNEXURE*

#### SAMPLE QUESTIONS

##### 1. GENERAL ENGLISH

##### GRAMMER

###### (a) Detecting Errors —

###### *Directions*

1 In this section you must spot errors in sentences. Read each sentence to find out whether there is any error in any underlined part. Errors, if any, are only in the underlined parts. No sentence has more than one error. When you find an error in a sentence, write the number of that part of the sentence on the separate Answer Sheet. If there is no error in any underlined part, write '5'. Examples 1 & 2 have been solved for you.

1 He spoke bluntly and angrily to we spectators.  
1                   2                   3                   4

No error  
5

2 A Stadium and a swimming pool are going to be built  
1                   2                   3  
on the new campus    No error  
4                   5

*Explanation*—In question No. 1, the word "We" is wrong. The number under this part is '3'. So three is the correct answer.

In question No. 2, the sentence is correct. Therefore, 5 is the correct response.

2 You do *NOT* have to correct the error. You only have to write on the Answer Sheet the number which is under the part that contains error.

*Work as fast and as carefully as you can.*

(b) *Correcting error:*

*Directions*

Look at the underlined part of each sentence. Below each sentence are given four possible substitutions for the underlined part. If one of them is better than the underlined part, write its number on the Answer Sheet, if none of the substitutions improve the sentence, write number 5 on your Answer Sheet. Examples 3 and 4 have been solved for you.

3 A candle flame glares at the slightest breath of air

- (1) Sparkles
- (2) Flickers
- (3) Shines
- (4) Glistens
- (5) No change

4 The fruits which he took from the bazaar has made him very sick

- (1) Could made him
- (2) Caused him
- (3) Could have made him
- (4) Shall cause him
- (5) No change

*Explanation*

The correct sentence should read "A candle flame flickers at the slightest breath of air" '2' is, therefore, the best improvement for question No. 3. Sq '2' is the correct response for question No. 3. In question No. 4, alternative 3 is the best improvement. So '3' is the correct response for Question No. 4.

Errors may be in grammar, appropriate word usage or idioms. There may be a necessary word missing; or there may be a word which should be removed

*Work as fast and as carefully as you can.*

**COMPREHENSION**

*Directions*

In this part you have short passages. After each passage, you will find some questions based on what is *stated* or *implied* in the passage. First read a passage, and then answer the questions following that passage. Then go on to the next passage. While answering the questions, you can look back at the passage as often as you like. Examples 5 and 6 are solved for you.

*Passage*

At three in the morning the air-field becomes active. The lights are switched on along the runway. The motor-coach arrives with outgoing passengers, some still dressed for the heat of Africa, some already sweating in their London suits. One or two men who had been lounging about in rather shabby shorts reappear in the hall wearing smart caps and tunics. Thereby the weedy little man who weighs the passenger's luggage reveals that he has had distinguished service in the Army. And thereby the willowy and supercilious young fellow who has been playing dice with Harry and barman turns out to be the Customs Officer.

(Adopted from "THE NEW STATEMAN")

(5) Who is the weedy little man?

- (1) Soldier
  - (2) Consumptive
  - (3) African
  - (4) Passenger
- (6) The Customs Officer is
- (1) Harry the barman
  - (2) Supercilious young fellow
  - (3) Weedy little man
  - (4) A man in shabby shorts

*Explanation*—The weedy little man is a *soldier* which is response (1). So No. 1 is correct response for question No. 5.

The Customs Officer is a supercilious young fellow which is response (2). So, No. 2 is the correct response for question No. 6.

*Work as fast and as carefully as you can.*

**CLOZE TEST**

*PASSAGE*

Electricity is such a part of (7) everyday lives and so much taken (8) granted nowadays that we rarely think (9) when we switch on the light (10) turn on the radio

*Questions :—*

Choose the most appropriate from among the following words which could fill the numbered gaps in the above passage.

- (7) (1) his  
(2) our  
(3) my
- (8) (1) for  
(2) at  
(3) by
- (9) (1) only  
(2) at  
(3) twice
- (10) (1) to  
(2) or  
(3) for

**ANSWER KEY**

| QUESTION | ANSWER |
|----------|--------|
| 7        | 2      |
| 8.       | 1      |
| 9.       | 3      |
| 10.      | 2      |

**VOCABULARY**

(a) *Similar words*

*Directions*—Each question consists of a word or phrase, followed by four numbered words or phrases. Choose the numbered word or phrase which is most nearly the same, in meaning, as the original word or phrase. For example

11. boycott

- (1) to accuse of wrongdoing
- (2) withdraw from
- (3) refuse to deal with
- (4) keep silence

12. Integrity

- (1) good judgment
- (2) benevolence
- (3) honesty
- (4) fearlessness

*Explanation*—'Refuse' to deal with, is the word whose meaning is nearest to 'boycott', so number '3' is the correct response for question No. 11. For question No. 12 'honesty' is the word nearest in meaning to 'integrity'. So '3' is the correct response for question No. 12.

*Work as fast and as carefully as you can.*

(b) *Opposite words*

*Directions*—In this section you are to choose the word or phrase which is most nearly opposite to the meaning of the first word or phrase.

13. Day

- (1) Year
- (2) month
- (3) hour
- (4) night

*Explanation*—The opposite of the day is *night*, so number 4 is the correct response.

*Work as fast and as carefully as you can.*

## 2. GENERAL KNOWLEDGE

1 The sub-centred theory of the Universe was developed by

- (1) Galileo
- (2) Ptolemy
- (3) Newton
- (4) Copernicus

- 3 Which one of the following is not an organ of UNO ?
  - (1) Security Council
  - (2) Trusteeship Council
  - (3) International Monetary Fund
  - (4) International Court of Justice.

## ANSWER KEY

| QUESTION | ANSWER |
|----------|--------|
|----------|--------|

|    |   |
|----|---|
| 1. | 4 |
|----|---|

|    |    |
|----|----|
| 2. | 3. |
|----|----|

## SPECIMEN ANSWER SHEET

|              |             |                                     |  |
|--------------|-------------|-------------------------------------|--|
| Roll No..... | Centre..... | CODE NUMBER<br>of test booklet..... | SERIAL NUMBER<br>of test booklet ..... |
|--------------|-------------|-------------------------------------|--|

### DIRECTIONS :

(1) All answers must be marked in the answer sheet. The serial number of the items (questions) in the TEST BOOKLET are printed inside. You have to write against each item, the serial number of the correct or best response (answer) you have chosen for that item. For example, if alternative "3" is the correct response to item number "16", you should mark as shown.

|    |   |
|----|---|
| 15 |   |
| 16 | 3 |
| 17 |   |

(2) You are required to mark one and ONLY ONE response (answer) for each item (question). If you mark more than one response for any item, you will get no credit even if one of your responses is correct.

|    |     |
|----|-----|
| 15 |     |
| 16 | X 3 |
| 17 |     |

(3) If you make a mistake and wish to correct it, BE SURE TO MAKE THE change very clearly. If the correction you have made in the response to any item is not clear or is ambiguous, you will not get any credit for that item.

(4) Use ink or ball point pen only for answering. Do not use pencil. Do not use red ink.

| Item<br>(Question)<br>No. | Response<br>(Answer) | Item<br>(Question)<br>No. | Response<br>(Answer) | Item<br>(Question)<br>No. | Response<br>(Answer) | Item<br>(Question)<br>No. | Response<br>(Answer) |
|---------------------------|----------------------|---------------------------|----------------------|---------------------------|----------------------|---------------------------|----------------------|
| 1                         |                      | 11                        |                      | 21                        |                      | 31                        |                      |
| 2                         |                      | 12                        |                      | 22                        |                      | 32                        |                      |
| 3                         |                      | 13                        |                      | 23                        |                      | 33                        |                      |
| 4                         |                      | 14                        |                      | 24                        |                      | 34                        |                      |
| 5                         |                      | 15                        |                      | 25                        |                      | 35                        |                      |
| 6                         |                      | 16                        |                      | 26                        |                      | 36                        |                      |
| 7                         |                      | 17                        |                      | 27                        |                      | 37                        |                      |
| 8                         |                      | 18                        |                      | 28                        |                      | 38                        |                      |
| 9                         |                      | 19                        |                      | 29                        |                      | 39                        |                      |
| 10                        |                      | 20                        |                      | 30                        |                      | 40                        |                      |

(Example for Correction)

SPACE FOR ROUGH WORK

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 26th October 1977

No. F 2(20)-NS/77—In partial modification of this Ministry's Notification No. F 2(20)-NS/77 dated the 16th July 1977 (published in the Gazette of India Extraordinary) the Central Government hereby directs that the commission payable to the Authorised Agents under the Standardised Agency System on the investments in 2-year and 3-year Post Office Time Deposits secured by them, shall be 1% with effect from the 16th August, 1977, instead of the 18th July, 1977, as specified in the aforesaid Notification.

V. LAKSHMINARAYANAN  
Director (Budget)

(DEPARTMENT OF EXPENDITURE)

New Delhi, the 9th November 1977

RESOLUTION

No. F 16(3)-EV(B)/77—In modification of this Ministry's Resolution No. F 16(3)-EV(B)/77 dated the 31st May, 1977 It has been decided in pursuance of the recommendations made by the Committee of the National Council of J.C.M to increase the rate of interest on the balances in respect of Central Government Provident Funds. The accumulations at the credit of the subscribers to the General Provident Fund and other similar funds upto Rs 25,000/- (inclusive of deposits and withdrawals) during the year 1977-78 will carry interest at the rate of 8% per annum and the interest rate of 7.50% per annum will apply to sums in excess of Rs 25,000/- These rates will be in force during the financial year beginning on the 1st April, 1977. The funds concerned are:

1. The General Provident Fund (Central Services).
2. The General Provident Fund (Defence Services).
3. The Contributory Provident Fund (India)
4. The All India Services Provident Fund.
5. The Indian Ordnance Department Provident Fund.
6. Other Miscellaneous Provident Fund (Defence)
7. The Armed Forces Personnel Provident Fund
8. The Defence Services Officers' Provident Fund.
9. The Indian Ordnance Factories Workmen's Provident Fund.
10. The Contributory Provident Fund (Defence)
11. The Indian Naval Dock and Workmen's Provident Fund.

2. Necessary instructions will be issued separately by the Ministry of Railways (Railway Board) concerning the rates of interest applicable during the year in question, to the balances in the various Provident Funds under the control of that Ministry.

3. Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi-110029, the 25th October 1977

No. F 1(14)/76-SR I—In pursuance of Article 89 of the Articles of Association of the National Research Development Corporation of India (a company registered under the Companies Act, 1956) and in partial modification of the Department of Science and Technology notification No. F 1(14)/76-SR I, dated the 14th September, 1976, the President is pleased to appoint Shri P. K. Ramanujam, Joint Secretary (Finance) in the Department of Science and Technology as Director on the Board of Directors of the Corporation with effect from the 18th October, 1977 to the 14th September, 1979 vice Shri P. M. Bellappa who has

since been transferred to the Ministry of Energy (Department of Power)

2. The President is also pleased to cancel the nomination of Dr. Y. Nayudamma, the then Secretary to the Govt. of India and Director General, Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi, as Director on the Board of Directors of the National Research Development Corporation with effect from the 27th July, 1977.

K. V. SWAMINATHAN  
Director

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE  
(DEPARTMENT OF FAMILY WELFARE)

New Delhi, the 15th September 1977

RESOLUTIONS

No. N.11014/4/77-Ster—In supersession of the Ministry of Health & Family Welfare (Department of Family Welfare) Resolution No. N.13023/13/74-IUD, dated the 21st July, 1975, the Govt of India has decided to reconstitute the Committee to advise Govt. on all technical problems connected with Family Welfare Programme in the field.

2. The composition of the reconstituted committee shall be as follows:

*Chairman*

1. Addl. Secretary & Commissioner (Family Welfare)

*Members*

2. Director General of Health Services
3. Director, National Institute of Health & Family Welfare, New Delhi
4. Director General, Indian Council of Medical Research, New Delhi.
5. President, Federation of Obstetrics & Gynaecological Society of India or her representative.
6. President, Surgeons Association of India or his representative.
7. President, Indian Medical Association or his representative.
8. President, Indian Academy of Paediatrics or representative.
9. Dr. R. P. Sonawala, Nowrosjee Wadia Maternity Hospital, Acharya Dondre Marg Parel, Bombay-400012.
10. Dr. Sussan George, Prof. of Obstetrics & Gynaecology, Medical College, Trivandrum.
11. Dr. P. K. Devi, Prof. of Gynaecology, P. G. I., Chandigarh.
12. Dr. V. N. Shrikhande, Narayan Mansion, 166 A, Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-400014.
13. Dr. Jamshed N. Pohowala, Emeritus, Prof. of Paediatrics, Medical College, Indore (M.P.)
14. Dr. S. N. Gupta, Special Secretary, Health Department, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow.
15. Dr. P. R. Sondhi, Director of Health Services, Govt. of Haryana, Chandigarh.
16. Dr. Diwan Haish Chand, 1, Hanuman Road, New Delhi.
17. Dr. Jugal Kishore, Adviser (Homeo), Ministry of Health & Family Welfare.
18. Dr. K. N. Udupa, Director, Institute of Medical Sciences, B.H.U., Varanasi.
19. Pt. Shiv Sharma, President, Central Council of Indian Medicine, Baharasthan Bomanji Petit Road, Kambala Hills, Bombay-400036.

*Member-Secretary*

20 Deputy Commissioner (T.O.)

3 The terms of reference of the Committee shall be to consider and advise Government on all problems including administrative, organisational and technical aspects connected with Family Welfare Programme in the field with particular reference to IUD and Sterilization procedures, M.T.P. and oral contraceptives.

4 The Committee shall have power to co-opt/invite experts of the concerned aspects of the programme to attend its meetings.

5 The life of the Committee shall be two years.

6 Non-official members of the Committee shall be entitled to the grant of travelling and daily allowances for attending the meetings of the Committee at the rates admissible to an officer of the highest grade in Class I of the Central Services Members of the Committee who are Government servants will draw travelling and daily allowances as admissible to them from the same source from which they get their pay.

7. The expenditure involved is to be met from within the sanctioned budget grant under Demand No 50-Family Welfare, Major Head 281 A-Family Welfare, A-1 Direction & Administration, A-1(1) Technical Wing at Headquarters, A-1(1)(3)—Travel Expenses 1977-78.

**ORDER**

**ORDERED** that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments.

**ORDERED** also that the Resolution be published in the Gazette of India for General Information.

The 28th October 1977

No R 17011/2/77-C&G(OS) —In paragraph 1 of this Ministry's Resolution No. R 17011/36/75-C&G(OS) dated the 7th December, 1976, the following amendments may be made, namely :—

1 After Sl. No 2 the following Sl. No. shall be inserted, namely :—

for Health and Family  
"2(a) Union Minister of State      } Vice-Chairman"  
Welfare

2 After Sl No 20, the following names shall be inserted, namely :—

"21 Professor Vinay Kumar  
22. Shri Ramanand Singh"

3 The existing Sl No 21 in the said paragraph shall be renumbered as "23".

**ORDER**

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all Ministries of the Government of India and all State Governments/Union Territories and that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SERIA GREWAL  
Addl Secretary and Commissioner (FW)

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING**

New Delhi, the 28th October 1977

No 201/7/76-FP —In pursuance of Rules 2(c) and 3 of the Resolution of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No 6/10/75-F(P) of the 12 September, 1975, the Central Government hereby nominates the following as members of the Film Advisory Board, Bombay with effect from the 1st November, 1977, for a period of 2 years :—

- 1 Shri Ezra Mir
- 2 Shri G S Pohekar.
- 3 Shri R K Laxman.
- 4 Smt Snehrabha Pradhan

A. D. MALIK  
Desk Officer

New Delhi, the 29th October 1977

**RESOLUTION**

No 4/S/77-Press —The Conference of Information Ministers of Non-aligned Countries held in New Delhi in July, 1976 constituted the Press Agencies Pool of Non-aligned Countries and Co-ordination Committee of the Pool Government of India hereby nominates Shri Dinkar Rao Manekkar as India's representative to serve on the Co-ordination Committee of the Press Agencies Pool of Non-aligned Countries with immediate effect

**ORDER**

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to Shri D R Manekkar, India's representative on Co-ordination Committee of the Press Agencies Pool of Non-aligned Countries, Secretary to the Prime Minister, Cabinet Secretary, Foreign Secretary, Secretary, in Department of Communication, Secretary (Expenditure) in the Ministry of Finance.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India (Ordinary) for general information

S. K. SAHGAL  
Secy

